CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-114
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दुनिया के लिए आप एक व्यक्ति हैं, लेकिन परिवार के लिए आप पूरी दुनिया हैं आप अपना ख़्याल रखें।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार ,सोमवार 29 जुलाई 2024

पोंझिया पैक्स अध्यक्ष के द्वारा आयुष्मान कार्ड कैंप लगाकर बनवाया गया

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ । शिवहर, शिवहर तरियानी प्रखंड के पोझिया पक्ष अध्यक्ष रवि कुमार सिंह के द्वारा अपने दरवाजे पर आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर कैंप लगाया गया। पैक्स अध्यक्ष रवि कुमार सिंह ने बताया है कि परिवार व स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड को जारी किया गया है। जिसके तहत सभी लाभार्थियों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया है कि पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाने की पहल की जा रही है।

दुसरी सोमवारी पर जिला के शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बोल बम...बोल बम से गुंजायमान हुआ शिवालय

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ ।

शिवहर, शिवहर जिले के ऐतिहासिक एवं पौराणिक धार्मिक स्थल बाबा भुवनेश्वर नाथ धाम सहित जिले के सभी शिवालयों में जलाभिषेक करने को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। देकुली प्रबंधन समिति के सचिव संदीप भारती ने बताया है कि सुबह 7:00 बजे तक लगभग 30,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक। बोल बम ,बोल बम के नारे से शिवालय गुंजायमान हो उठा है।बाबा भुवनेश्वर नाथ धाम पर श्रद्धालुओं के जलाभिषेक को लेकर आज सुबह 2 बजे ही श्रृंगार पूजन कर पट खोल दिया गया था। देवकली धाम के पुजारी शिवपूजन भारती ने बताया कि आज सुबह भीड को देखते हुए 2:00 बजे भोर से ही श्रृंगार पूजा कर जलाभिषेक के लिए पट खोल दिया गया था। अहले सुबह से भक्तों की भीड़ जुटी हुई है। सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन के तरफ से दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में महिला पुलिस बल भी तैनात किया गया है। शहर के रानी पोखर शिवालय, गौरीशंकर मंदिर रसीदपुर, अनुमंडल कार्यालय समीप बाबा

मनोकामना पूर्ण सोमेश्वर मंदिर सहित कुशहर गौरीशंकर मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक को लेकर भक्त जनों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

शिक्षा विभाग में घोटाले पर एक्शन की तैयारी

170 रुपए का बैग 1200 में खरीदने के मामले में कंपनी के CMD पर होगा एक्शन

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ ।

पटना, जेडीयू एमएलसी संजीव कुमार सिंह ने केके पाठक के शिक्षा विभाग का एसीएस रहते स्कूल बैग और अन्य सामानों की खरीद में घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि केके पाठक के एसीएस रहते शिक्षा विभाग में भारी वित्तीय अनियमितता हुई है। जांच लिए उन्होंने हाई लेबर कमेटी बनाने की मांग सरकार से की थी। जिसपर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने जांच कराने की बात कही थी। अब इस मामले में एक्शन की तैयारी शुरू कर दी गई है। दरअसल, मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद में जेडीयू एमएलसी संजीव कुमार सिंह ने शिक्षा विभाग में वित्तीय अनियमितता का मामला उठाया था। उन्होंने दावा किया कि स्कूलों में बेंच डेस्क, बैग और थाली की खरीद में घोटाला किया गया है।उन्होंने सदन में बैग दिखाकर दावा का कि 120 रुपए के बैग को 1200 रुपए में खरीदा गया है।

30 रुपए की थाली का दाम 70 रुपए बताया गया है। उन्होंने दावा किया था कि ऐसे कई तरह के घोटाले शिक्षा विभाग में हुए हैं। उन्होंने केके पाठक के शिक्षा विभाग का एसीएस रहते लिए गए उनके निर्णयों पर भी सवाल उठाए थे। जेडीयू एमएलसी के सवाल पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को सदन में जवाब देना पड़ा। उन्होंने कहा कि जहां से भी अनियमितता की बात सामने आई है उसपर एक्शन होगा। कई जिलों में कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। सभी जिलों के डीएम को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। अब इस मामले में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शिक्षा विभाग के एसीएस एस. सिद्धार्थ ने कहा है कि है कि वित्तीय हेराफेरी को लेकर कंपनी के सीएमडी के खिलाफ एक्शन होगा। एसीएस ने कंपनी के सीएमडी के खिलाफ केस दर्ज कराने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि सप्लायर के खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा। इससे जुड़ी शिकायतों को दर्ज करने के लिए शिक्षा विभाग कॉल सेंटर बनाएगा, जहां इससे जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है। दर्ज शिकायतों पर शिक्षा विभाग तुरंत एक्शन लेगा। बता दें कि राय के 534 ब्लॉक में एफएलएम कीट का नमूना भेजा गया था।

लुटेरी IAS दुल्हन, फेसबुक पर IT में काम करने वाले लड़के को प्रेम जाल में फंसाया, अब हुआ बड़ा भंडाफोड़

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ ।

मुजफ्फरपुर, बिहार के मुजफ्फरपुर से एक सनसनीखेज मामला निकल कर सामने आया है। यहां एक लड़की ने पहले खुद को एम्स का डॉक्टर बताया उसके कुछ दिन बाद लड़की ने खुद का चयन यूपीएसी में होने की बात कह एक लड़के को प्रेम जाल में फंसाया और उसके बाद बात शादी तक पहुंची और फिर लड़की ने अपना असली रूप दिखाया। उसके बाद इस मामले का खुलासा हुआ तो हर कोई दंग हो गया। दरअसल,पटना के एक युवक की छह महीने पहले फेसबुक पर मुजफ्फरपुर की एक लड़की से दोस्ती हुई। लड़की ने युवक को बताया कि वह एम्स में डॉक्टर है। कुछ दिन बाद उसने आइएएस के लिए चयनित होने की बात बताई। कुछ समय बाद उसने युवक के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। युवक भी राजी हो गया। इसके बाद युवती शादी करने पटना उसके घर पहुंच गई। उसकी मंशा जेवर लूटकर भागने की थी। इससे पहले ही उसकी पोल खुल गई।बताया जाता है कि, बेऊर के गंगा बिहार कॉलोनी निवासी युवक बेंगलुरु में मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हैं। बीते दिनों फेसबुक से उनका संपर्क मुजफ्फरपुर निवासी जानवी सिंह नाम की युवती से हुआ था। युवती ने बताया कि उसने पीजीआई

चंडीगढ़ से एमबीबीएस की है और दिल्ली एम्स से पीजी कर रही है। कुछ दिन बाद उसने आइएएस के लिए चयनित होने की बात बताई। दोस्ती बढ़ने पर दोनों ने शादी का निर्णय लिया। प्रशिक्षु डीएसपी सह बेऊर थानाध्यक्ष निशांत गौरव ने बताया कि 26 जुलाई को उनका छेंका होना तय हुआ था। इसी बीच 16 जुलाई को युवक के घर में पूजा रखी गई थी। पीड़ित के निमंत्रण पर युवती भी पटना आई थी।जांच में फर्जीवाड़ा आया सामने तन्नू प्रिया अपने साथ नकली गहने लेकर आई थी। युवती ने गहना चोरी होने की बात बता बेऊर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। युवती ने पीड़ित की मौसी पर गहना चोरी का शक जाहिर किया था। उधर दबाव में पीड़ित छह लाख की असली वेलरी खरीदकर ले आए। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने छानबीन शुरू की तो असलियत सामने आ गई। जांच में आईडी फर्जी मिली। युवती ना तो डाक्टर और ना ही उसका चयन यूपीएससी में हुआ है। फर्जीवाड़े का खुलासा होने पर पुलिस ने तन्नू प्रिया उर्फ जानवी सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि युवती परिवार से अलग रहती है। उसके पिता किसान हैं। बीते तीन वर्ष से परिवार वाले उससे कोई संपर्क नहीं रख रहे थे। पुलिस को अंदेशा है कि शादी का झांसा देकर युवती कई और लोगों से भी ठगी कर चुकी है।

जन सुराज से जुड़े तीन बड़े नाम

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ ।

प्रशांत किशोर की उपस्थिति में जन सुराज से जुड़ीं कर्पूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति, बक्सर से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आनंद मिश्रा और पूर्व राजद विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी

जन सुराज अभियान का कारवां लगातार बढ़ता जा रहा है। आज पटना के ज्ञान भवन में जन सुराज अभियान की एक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर की उपस्थिति में तीन बड़े नाम जन सुराज में शामिल हुए।

पहला नाम – भारत रत्न और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति ने प्रशांत किशोर की उपस्थिति में जन सुराज की सदस्यता ली और इस अभियान को अपना समर्थन दिया।

दूसरा नाम – 2024 लोकसभा चुनाव में बक्सर से निर्दलीय प्रत्याशी आनंद मिश्रा ने जन सुराज की सदस्यता ली और इस अभियान को अपना समर्थन दिया। उन्होंने प्रशांत किशोर के प्रयासों की तारीफ की।

तीसरा नाम – प्रोफेसर रामबली सिंह चंद्रवंशी ने भी प्रशांत किशोर से प्रभावित होकर जन सुराज की सदस्यता ली और इसके सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार में जन सुराज के माध्यम से परिवर्तन लाया जा सकता है।

रोहिणी आचार्या के पोस्ट पर भड़की भाजपा

ट्वीटर बबुनी कान खोलकर सुन लीजिए...सात समंदर पार बैठकर ट्वीट करने से सफलता नहीं मिलने वाली

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ ।

पटना, लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या फिर से ट्वीटर पर सक्रिय हैं. लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद रोहिणी वापस विदेश(सिंगापुर) चली गई हैं. विदेश से ही वे लगातार ट्वीटर(एक्स) के माध्यम से भाजपा पर प्रहार कर रही हैं. इसके बाद भाजपा ने लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी को करारा जवाब दिया है. बिहार बीजेपी ने कहा है कि ट्वीटर से बिहार की राजनीति नहीं हो सकती. बिहार की जनता को अगर घोटाले के आरोपी तेजस्वी यादव और स्वच्छ छवि वाले सम्राट चौधरी में एक को मुख्यमंत्री को चुनना होगा, तो वह सम्राट चौधरी को चुनेगी न कि बेल आउट तेजस्वी यादव को. बिहार भाजपा प्रवक्ता डॉ. रामसागर सिंह ने रोहिणी पर

बड़ा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि रोहिणी आचार्य जी... समुद्र पार से ट्विटर बबुनी बनकर बिहार की राजनीति में सफलता नहीं पाया जा सकता है. आप सम्राट चौधरी पर टिप्पणी कर रही हैं. अगर बिहार की जनता को मुख्यमंत्री के लिए चुनना हो तो आपके बबुआ को नहीं बल्कि सम्राट चौधरी को चुेगी. तेजस्वी यादव जो घोटाले के आरोपी हैं, बेल आउट हैं, दूसरी तरफ सम्राट चौधरी हैं, जिनके ऊपर कोई आरोप नहीं है,स्वछ छवि के हैं, बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं. आजादी के बाद से पहली दफा वित्त मंत्री रहते 59000 करोड़ रूपया लाने का काम किए हैं, बिहार की जनता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाना पसंद करेगी. न कि आपके ट्विटर बाबुआ तेजस्वी यादव को, जो बेल आउट हैं. आप कान खोलकर सुन लीजिए, ट्विटर से बिहार के राजनीति नहीं हो सकती है. ट्विटर से बहुत आगे तक बिहार की जनता का राजनीतिक दिमाग है.